Date
Page

प्रमापीकृत परीक्षण (Standardised Tests) →

प्रमापीकृत परीक्षण उपलब्धि परीक्षण के उत्तम साधन है। ये अत्यधिक विश्वसनीय होते है किन्तु ऐसे परीक्षण तैयार करना कठिन होता है। इनको तैयार करने में समय भी अधिक लगता है। भारत वर्ष में परीक्षण की प्रमापीकृत परीक्षाएँ बहुत कम है। एक प्रमापीकृत परीक्षण वह है जिसके मानदण्ड (Norms) स्थापित किये गये है। यह कार्य तभी सम्भव है जबकि उस परीक्षण को बहुत बड़ी जनसंख्या पर लागू किया गया हो और उसके मानदण्ड की गणना की गई हो। मानदण्ड (Norms) एक प्रकार के औसत (Average) है। श्रेणी मानदण्ड (Grade Norms) एक ही श्रेणी के छात्रों द्वारा प्राप्त औसत अंक होते है। आयु मानदण्ड (Age Norms) एक ही आयुवर्ग के छात्रों द्वारा प्राप्त औसत अंक है।

एक प्रमापीकृत परीक्षण की रचना में अधिक श्रम तथा धन का व्यय होता है। इसके निर्माण की प्रक्रिया में अनेक चरण निहित है। किसी विषय के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर इसके प्रश्नों का निर्माण विशेषज्ञों के द्वारा होता है। विशेषज्ञ प्रश्नों के निर्माण में अध्यापक तथा प्रधानाचार्य से सलाह लेता है। इसके बाद दो या तीन बार परीक्षण को छात्रों पर लागू करके उसकी विश्वसनीयता, वस्तुनिष्ठता, प्रयोग में लाने में सुविधा तथा अंक देने की प्रक्रिया का पता लगाया जाता है। प्रमापीकृत परीक्षण

Scanned with CamScanner

वस्तुनिष्ठ होते है क्योंकि इसमें प्रश्नों का शब्दीकरण निश्चित, उत्तर निश्चित तथा अंकन सरल होता है। इसमें सामान्यतः रिक्त स्थान पूर्ति, सत्य-असत्य, सरल स्मरण प्रश्न, बहुविकल्प प्रश्न, मैचिंग आदि प्रश्नों का प्रयोग होता है।

Scanned with CamScanner

प्रमापीकृत परीक्षण	अध्यापक - निर्मित परीक्षण
① व्यक्तियों या समूहों के ज्ञानोपार्जन की तुलना करने में।	① यह जानने के लिए कि शिक्षा की विशिष्ट इकाई का विद्यार्थी ने उपार्जन किया है।
② ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञानोपार्जन की तुलना करने में।	② यह जानने के लिए कि किस सीमा तक शिक्षा के विशिष्ट उद्देश्यों को पूरा कर लिया गया है।
③ विभिन्न कक्षाओं एवं विद्यालय की तुलना करने में।	③ विद्यार्थियों का उनके ज्ञानोपार्जन के आधार पर श्रेणीकरण करने के लिए।

Scanned with CamScanner